मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 7 अंक 115
शुक्रवार, 08 नवंबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.in

# चार बार नाम बदलकर डोनाल्ड से जेडी वेंस बने अमेरिका के नए उपराष्ट्रपति

**वाशिंगटन, 7 नवंबर।** अमेरिका में आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। रिपब्लिकन पार्टी ने करीब चार साल बाद सत्ता में वापसी की है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रटिक पार्टी की कमला हैरिस को हरा दिया है। ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। वहीं उनके रनिंग मेट जेडी वेंस उपराष्ट्रपति की कुर्सी संभालेंगे। मनोनीत उपराष्ट्रपति वेंस का भारत से भी खास नाता है। जेडी वेंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस भारतीय मूल की हैं। अमेरिकी आम चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति जबकि जेडी वेंस उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। जेडी वेंस अमेरिकी राज्य ओहियो के एक सीनेटर हैं। सीनेटर

अमेरिकी संसद कांग्रेस के उच्च सदन के सदस्य होते हैं। वेंस को 2022 में अमेरिकी सीनेट के लिए चुना गया था और 3 जनवरी 2023 को पद की शपथ दिलाई गई।

जेडी का जन्म अगस्त 1984 में ओहियो राज्य के मिडलटाउन शहर में हुआ था। सीनेटर वेंस की मां बेवर्ली वेब ऐकिंस ने पांच शादियां की थीं और जेडी ऐकिंस के दूसरे पति से बेटे हैं। पीपल पत्रिका के अनुसार, बेवर्ली वेब ऐकिंस ने पहली बार 1979 में उनकी बहन लिंडसे को जन्म दिया जब ऐकिंस सिर्फ 19 साल की थीं। ऐकिंस ने 1983 में डोनाल्ड वोमेन से दूसरी शादी की। ऐकिंस और डोनाल्ड बोमन ने 2 अगस्त 1984 को जेडी को जन्म दिया। दोनों बच्चों की परवरिश मिडलटाउन, ओहियो में हुई। मिडलटाउन कभी एक समृद्ध अमेरिकी विनिर्माण शहर था जहां ओहियो के लोग एक बेहतर जीवन जी सकते थे। समय के साथ उनमें से कई अच्छी नौकरियां गायब हो गईं और जेडी के परिवार को कई अन्य लोगों के साथ इसका असर झेलना पड़ा। घर और स्कूल में अशांति आम बात थी। अपने चर्चित संस्मरण 'हिलबिली एलेजी' में वेंस ने लिखा है कि वह छह वर्ष के थे जब उनके माता-पिता का आधिकारिक रूप से तलाक हो गया, हालांकि उनके पिता डोनाल्ड कुछ वर्ष पहले ही परिवार छोड़ चुके थे। वेंस का कहना है कि तलाक के बारे में उन्हें उनकी मां ने ही बताया था, उन्होंने बस इतना कहा था कि वे अपने पिता को फिर कभी नहीं देख पाएंगे। डोनाल्ड से अलग होने के बाद बेवर्ली कई रिश्तों में रहीं, जिसके कारण जेडी के लिए पिता के रूप में कई रिश्ते बने। जेडी की मां ऐकिंस ने बॉब हैमल से तीसरी शादी की जिन्होंने छोटे बच्चे जेडी को गोद लिया। इसी के साथ जेडी वेंस के नाम बदलने की कहानी भी शुरू होती है। वेंस का दूसरा नाम जन्म के समय उनके जैविक पिता डोनाल्ड बोमन के नाम पर जेम्स डोनाल्ड बोमन था। 1984 में बच्चे का नाम बदलकर जेम्स डेविड हैमल कर दिया गया। बेवर्ली ने 'जे.डी.' उपनाम को बनाए रखने के लिए अपने पूर्व पति के पहले नाम के स्थान पर अपने चाचा का नाम रख लिया। हालांकि, बेवर्ली और हैमल अंततः अलग हो गए जिसके कारण जेडी का नाम फिर से बदल गया। बेवर्ली के चौथे पति केनेथ वार्नर जबकि पांचवें टेरी ऐकिंस हुए। वेंस ने संस्करण में लिखा, 'ईमानदारी से कहूं तो सबसे बुरी बात यह थी कि बॉब के जाने से हमारे परिवार में उपनामों का उलझा हुआ जाल और भी जटिल हो जाएगा।' जब उनके नाना-नानी उनकी देखभाल करने लगे तो जे.डी. ने अंततः अपना मातृ उपनाम 'वेंस' अपना लिया। बेवर्ली एक नर्स थीं और अपने काम के माहौल में उन्हें डॉक्टर के पर्चे पर मिलने वाली दवाइयां मिलती थीं।

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने निभाई छठ पूजा की रस्में, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को गोमती नदी के घाटों पर छठ पूजा के लिए श्रद्धालु उमड़े। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी छठ पूजा में शामिल हुए। उन्होंने छठ पूजा की रस्में निभाईं। झूलेलाल पार्क में छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान गोमती नदी के घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा करने को उमड़े। पूजा के दौरान कुछ महिलाएं सेल्फी लेती भी दिखीं। लक्ष्मण मेला मैदान में छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान गोमती नदी के घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा करने को उमड़े। कुछ श्रद्धालु दंडवत परिक्रमा करते हुए घाट तक पहुंचे।

# निर्भया जैसी हैवानियत: समाजसेवा करने आई युवती से तीन दरिंदों ने किया सामूहिक दुष्कर्म किया

**दिल्ली, 7 नवंबर।** दिल्ली के निर्भया कांड-2 की पीड़ित युवती बड़े सपने लेकर दिल्ली आई थी। मगर दिल्ली ने उसे ऐसा दर्द दिया कि वह उसे कभी भूला नहीं सकती। मास्टर इन सोशल वर्क डिग्री होल्डर युवती ने अपनी नर्सिंग की नौकरी छोड़कर उसने अपना जीवन विशेष रूप से गरीबों, महिलाओं और हाशिए के समुदायों के लिए समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वह सामाजिक कार्य के प्रति अपने जुनून को महसूस करने और एक नए अवसर की तलाश में दिल्ली आई थी। पीड़िता ने सामाजिक क्षेत्र में आठ वर्षों तक काम किया है।

उड़ीसा पुलिस अधिकारियों के अनुसार शोधकर्ता, सुविधाकर्ता, सामुदायिक नेता इस युवती ने 2007-2010 में आर्ट्स में बीए, 2009-2011 सहायक नर्सिंग

मिडवाइव्स और 2011-2013 मास्टर इन सोशल वर्क की डिग्री हासिल की थी। पीड़िता ने 2010-2012 एचआईवी एड्स के साथ रहने के लिए रिसर्च फेलो ले रखी है। वह 2012-2014 स्वच्छता जागरूकता के लिए महिला शक्ति में सामुदायिक नेता बनी। 2014-2018 में नर्सिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह ओडिसा में काउंसलर बनी। वह एक एनजीओ में फैसिलिटेटर थीं। वह तीन भाषाओं का ज्ञान रखती है। पीड़िता नेबसराय में ननों के पास रहती थी। यहां पर कुछ संतुलन बिगड़ गया तो वह जुलाई में रोड पर आ गई। दिल्ली की सड़कों पर भटकते-भटकते हुए वह पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां पर प्रतीक्षा कक्ष में करीब डेढ़ महीने रही। युवती 10 व 11 अक्तूबर की रात पुरानी दिल्ली पुलिस रेलवे स्टेशन से निकलकर रात करीब नौ बजे आईटीओ पहुंच गई। यहां पर आरोपी प्रमोद व शमशुल उसे मेट्रो स्टेशन के पास अंधेरे में झाड़ियों में खींचकर ले जा रहे थे। उसे ऑटो चालक प्रभु ने देख लिया। उसके बाद तीनों ने उसके साथ दरिंदगी की और शरीर को नोंचा। आरोपियों की दरिंदगी यहीं नहीं खत्म हुई। ऑटो चालक प्रभु उसे ऑटो में डालकर रिंग रोड व फिरोशाह कोटला किले के पीछे सर्विस रोड पर ले गया। यहां उसने युवती के साथ ऑटो में कई बार रेप व दरिंदगी की। इसके बाद आरोपी उसे अर्धनग्न अवस्था में छोड़ दिया। दिल्ली में वसंत विहार निर्भया केस फिर दोहराया गया। दिल्ली पुलिस के पुराने मुख्यालय से कुछ मीटर की दूरी आईटीओ पर महिलाओं व गरीबों के लिए काम कर रही युवती के साथ तीन दरिंदों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। उसके बाद ऑटो चालक ने राजघाट के पास गांधी स्मृति वाली सर्विस रोड पर ले जाकर उसके साथ ऑटो में दुष्कर्म किया। बार-बार किए गए दुष्कर्म से युवती का मानसिक संतुलन बिगड़ गया। ओडिशा की ये युवती (34) अर्धनग्न अवस्था में राजघाट से पैदल चलते हुए सराय कालेखां पहुंच गई। युवती के निजी अंगों से खून बहता रहा, मगर रिंग रोड पर उस समय गुजरे हजारों वाहनों में से किसी को युवती पर दया नहीं आई।

# अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट

## अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

**प्रयागराज, 7 नवंबर।** दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निमोर्ही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा।

अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निमोर्ही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

# अमेरिका ही नहीं, भारत का एक छोटा गांव भी मना रहा डोनाल्ड ट्रंप की जीत का जश्न

नईदिल्ली, 7 नवंबर। अमेरिका ही नहीं बल्कि भारत के एक छोटे गांव में भी रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी जीत का जश्न मनाया जा रहा है। यहां जश्न कोई हू हल्ला वाला नहीं है, बल्कि यहां चमक है चेहरों पर। इस खुशी का राज ये है कि इस गांव के लोगों को पता चल गया कि उनकी वंशज अमेरिका की अगली अगली 'सेकंड लेडी' होंगी। यानी की अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति जेडी वैंस की पत्नी उषा चिलुकुरी वैंस भारतवंशी हैं। उषा भारतीय मूल्यों और संस्कृति से काफी जुड़ी हुई हैं। उनकी रिश्ते में लगने वाली दादी शांतम्मा ने भी नतीजों पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मेरा खुश होना बनता है क्योंकि उषा हमारी परिवार की हैं।

38 वर्षीय उषा वैंस का जन्म और पालन-पोषण अमेरिका के सैन डिएगो में हुआ है। उनके माता-पिता का पैतृक गांव आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में वडलुरु है। पढ़ाई में होनहार छात्रा रहीं और किताबों से लगाव रखने वाली उषा ने आगे चलकर नेतृत्व के गुण दिखाए। भारत के दक्षिणी आंध्र प्रदेश राज्य में उनके पूर्वजों के गांव में रहने वाले लोगों ने प्रार्थना की है कि अब भारत

और अमेरिका के ऐतिहासिक संबंधों में उनकी भूमि के जरिए और सुधार आएगा। साथ ही उम्मीद जताई है कि उषा अपने पैतृक स्थान को कुछ फायदा दिलाएंगी। रिश्ते में लगने वाली दादी प्रोफेसर सी शांतम्मा ने अमेरिकी चुनावों के बाद अपनी खुशी व्यक्त की। कहा, 'स्वाभाविक रूप से मैं खुश हूं। वह हमारे परिवार की हैं और यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।' उन्होंने वैंस के साथ अपने संबंध के बारे में बताते हुए कहा, 'मेरा उषा से रिश्ता मेरे पति की वजह से है। मेरे पति पांच भाई हैं। सबसे बड़े भाई के चार बच्चे हैं। उषा उनके एक बेटे की बेटी हैं।'

उन्होंने उषा वैंस को यह सुझाव दिया कि उन्हें किन दो क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है। शांतम्मा ने कहा, 'पहले भारत की मदद करें ताकि देश में खुफिया जानकारी बनी रहे। दूसरा भारत में संस्कृत के पुनरुद्धार को बढ़ावा दें।' भारत के साथ संबंधों पर आगामी ट्रंप प्रशासन से अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर, शांतम्मा ने कहा कि सरकार को सकारात्मक विचार-विमर्श करना चाहिए और उन्हें अच्छाई को बढ़ाने का लक्ष्य रखना चाहिए।

# गरीब बच्चों के लिए स्कूलों में प्रवेश का मौका

लखनऊ, 7 नवंबर। उत्तर प्रदेश में गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। इसको लेकर कई कदम भी उठाए जा रहे हैं। राइट टू एजुकेशन (आरटीई) तहत पिछले दो सत्रों में 1.14 लाख बच्चों के अलग-अलग स्कूलों में दाखिला दिलाया गया। इसमें आने वाले 436 करोड़ के खर्च का वहन सरकार की तरफ से किया गया। वर्तमान की बात करें तो करीब पांच लाख बच्चे निजी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले इसके लिए लागू आरटीई के पालन का सरकार प्रयास कर रही है। वर्ष 2017 के बाद आरटीई अधिनियम का विस्तार किया गया। इसके लिए एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर) द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल

भी लांच किया गया। ताकि नामांकन प्रक्रिया को डिजिटल और प्रभावी बन सके। आंकड़ों की बात करें तो शैक्षिक सत्र 2022-23 में 71,214 बच्चों का नामांकन हुआ। 2024-25 में बढ़कर 1,14,196 हो गया। करीब पांच लाख से अधिक बच्चे अभी निजी विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके लिए पिछले दो वर्षों में सरकार ने करीब 436 करोड़ रुपये खर्च किए। प्रदेश सरकार में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने बताया कि अगले सत्र में आरटीई के तहत बच्चों का समय पर नामांकन हो सके, इसके लिए चार चरणों में आवेदन प्रक्रिया कराई जाएगी। यह दिसंबर, जनवरी, फरवरी और मार्च की एक तारीख से शुरू होकर से 19 तारीख तक चलेगी। प्रत्येक चरण के लिए लॉटरी और नामांकन की तारीखें तय कर दी गई हैं। बताया कि अभिभावकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों में हेल्पडेस्क बनाई गई है। एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों की मदद से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता फैलाई जा रही है। उन्हें बच्चों का आवेदन कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बताया कि आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों जैसे दस्तावेज बनाए जाने की प्रक्रिया सुविधाजनक की गई है।

# विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

-ललित गर्ग

नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए।

विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया।

नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं। मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है। अनुच्छेद 370 को लेकर कश्मीर की जनता और राजनेताओं, दोनों को समझना ही होगा कि 70 साल तक विशेष दर्जा होने के बावजूद इससे राज्य का कोई बहुत भला नहीं हुआ। देश की मूल धारा से कटकर यह प्रांत अंधेरों से घिरा रहा है। हिंसा एवं आतंकवाद की त्रासदी को झेलते हुए विकास एवं शांति की बाट जोहता रहा है। अब विशेष दर्जा हटाने का राज्य को बहुत लाभ मिला है, वहां विकास एवं जनकल्याण के काम तेजी से हो रहे हैं, न केवल विकास योजनाएं आकार ले रही है, बल्कि वहां शांति एवं सौहार्द का वातावरण बना है, आतंकवादी घटनाओं पर भी नियंत्रण किया जा सका है। मोदी की सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। देश के साथ दुनिया को यह संदेश दिया गया कि कश्मीर में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं, कश्मीर भारत का ताज है और हमेशा रहेगा। घाटी के राजनीतिक दलों को वहां के अवाम के हित में सोचना चाहिए। क्योंकि अनुच्छेद 370 के खत्म होने से राज्य का कोई नुकसान हुआ, ऐसा नहीं दिखता। इसलिए जम्मू-कश्मीर को अब ऐसी राजनीति की जरूरत है, जो विशेष दर्जे से इतर तरक्की का नया खाका खींचे। अनुच्छेद 370 का खत्म होना इसलिये ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि वहां के लोगों ने साम्प्रदायिकता, राष्ट्रीय-विखण्डन, आतंकवाद तथा घोटालों के जंगल में एक लम्बा सफर तय करने के बाद अमन-शांति, सौहार्द एवं विकास को साकार होते हुए देखा है। उनकी मानसिकता घायल थी तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। जम्मू-कश्मीर में शांति और सौहार्द के साथ लोकतंत्र और विकास की नई इबारत लिखी गयी है। जम्मू-कश्मीर को अशांत और संवेदनशील क्षेत्र बनाए रखने की कोशिश में लगे तत्वों एवं राजनीतिक दलों से सावधान रहने की जरूरत है, भले ही वे नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या पीडीपी या अन्य पाकिस्तान परस्ती राजनीतिक दल।

# डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद क्या अब बांग्लादेश में होगी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी?

अशोक भाटिया

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के तुरंत बाद, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने उन्हें बधाई संदेश भेजा। इस संदेश में हसीना ने ट्रंप की नेतृत्व क्षमता और अमेरिकी जनता द्वारा उन पर दिखाए गए विशाल विश्वास की सराहना की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ट्रंप के नए कार्यकाल में बांग्लादेश और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।शेख हसीना का यह कदम बांग्लादेश की राजनीतिक परिदृश्य में खेला की वापसी का संकेत माना जा रहा है। हसीना इस समय दिल्ली में हैं, माना जा रहा है कि वो ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद अमेरिका का दौरा कर सकती हैं। इससे दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने की संभावना है।

शेख हसीना का ट्रंप को भेजा गया यह संदेश को साधारण या औपचारिक बधाई नहीं है। यह बांग्लादेश में उनकी सियासी वापसी की दिशा में एक रणनीतिक पहल भी माना जा रहा है। वहीं, बांग्लादेश सरकार के मौजूदा प्रमुख मोहम्मद यूनुस की क्लिंटन परिवार और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं से नजदीकी रिश्तों के चलते हसीना को ट्रंप प्रशासन में और भी समर्थन मिल सकता है।

यूनुस के अमेरिका में मजबूत संपर्क और बाइडेन प्रशासन में उनकी घनिष्ठता के बावजूद, हसीना का यह कदम कहीं न कहीं उन पर एक तरह का दबाव बना सकता है। अमेरिका के कूटनीतिक दबाव के कारण भारत के अलावा फिलहाल कोई अन्य देश शेख हसीना को मदद और वीजा देने में संकोच कर रहा है। ऐसे में, शेख हसीना के इस बधाई संदेश से साफ है कि वह अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गई हैं। मौजूदा समय में बांग्लादेश के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस को ट्रंप जरा भी पसंद नहीं करते। दरअसल यूनुस पर आरोप हैं कि 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में यूनुस ने ट्रंप के खिलाफ फंडिंग की थी, तब से ट्रंप उनसे नाराज हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दिवाली के मौके पर एक पोस्ट की थी। 2016 में ट्रंप जब पहली बार चुनाव जीते थे तब युनूस ने कहा था कि उनकी जीत सोलर एक्लिप्स की तरह है। उजाला एक दिन जरूर आएगा।

माना जा रहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनूस अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी के ज्यादा करीबी हैं। बिल क्लिंटन, बराक ओबामा, जो बाइडेन से उनकी ज्यादा बनती है। युनूस कई बार ट्रंप की आलोचना कर चुके हैं। ट्रंप ने हाल में बांग्लादेश के मौजूदा हालात पर कहा था कि वहां पर जो हो रहा है वो सही नहीं है। ट्रंप बांग्लादेशी हिंदू के लिए भी आवाज उठा चुके हैं। माना जा रहा है कि वो अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव डालेंगे। वो बोलेंगे कि शेख हसीना की पार्टी पर जो भी एक्शन हो रहा है उसे बंद किया जाए। देश में जल्द से जल्द चुनाव कराया जाए और लोगों को ही फैसला लेने दिया जाए कि वो किसकी सरकार चाहते हैं।उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा और उनकी सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने अमेरिका ही नहीं दुनियाभर के हिंदुओं की रक्षा का वादा किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रंप बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर मोहम्मद यूनुस को माफ करने के मूड में नही हैं।

अवामी लीग के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी बयान में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने डोनाल्ड ट्रंप और मिलेनिया ट्रंप के साथ उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान हुई मुलाकात को याद किया। साथ ही बांग्लादेश और संयुक्त राज्य अमेरिका की द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने की तरफ काम करने की इच्छा जताई।

गौरतलब है कि बांग्लादेश को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की सोच उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में स्पष्ट हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप का बांग्लादेश के प्रति एक झुकाव है। वह बांग्लादेश का एक लोकतंत्र समर्थक देश के तौर पर देखते हैं। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान जारी करके बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी और इस मामले को अमेरिकी हिंदूओं को दिल के बेहद करीब बताया था। उन्होंने अमेरिका समेत पूरे विश्व में हिंदू समुदाय की अधिकारों की सुरक्षा करने की बात कही थी। इसी कारण यह आशा जागी है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत का सबसे ज्यादा असर जिन देशों पर होने वाला है, उनमें बांग्लादेश भी है। यह साबित हो चुका है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक खास रणनीती के तहत शेख हसीना सरकार का तख्तापलट करवाया। उन्हें अपना ही देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे भारत को झटका लगा। लेकिन बांग्लादेश की राजनीती पर नजर रखने वालों का मानना है कि ट्रंप की जीत से पूरा खेल बदलने वाला है। एक बार फिर बांग्लादेश में भारत का दबदबा होगा। यह जीत शेख हसीना के लिए भी खुशखबरी लेकर आई है। एक और बात बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चला रहे मुहम्मद यूनुस डोनाल्ड ट्रंप के कटु आलोचक रहे हैं। कई बार उनके खिलाफ बयानबाजी भी की है। अब उनके भविष्य पर भी संकट खड़ा होगा। ढाका ट्रिब्यून में कूटनीतिक मामलों के जानकार शफकत रब्बी ने इस पर एक लेख लिखा है। उन्होंने बताया कि ट्रंप की जीत का बांग्लादेश पर क्या असर होने वाला है। भारत से रिश्ते कैसे बदल जाएंगे। उन्होंने लिखा है, ट्रंप की विदेश नीति अमेरिका फर्स्ट रहने वाली है। लेकिन इसके बाद वे बाइडन युग के सभी विवादित मसलों को सुलझाएंगे। यूक्रेन संकट हो या अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर क्राइसिस या फिर मिडिल ईस्ट की स्थीति बांग्लादेश के लिए उनका आना बेहद अहम है। क्योंकी बांग्लादेश में अब जो कुछ होगा, वह ट्रंप की रडार पर होगा।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश में अमेरिका की मौजूदगी हमेशा से सॉफ्ट पावर के रूप में रही है। भारत हार्ड पावर के रूप में बांग्लादेश में सीधी दखल रखता था। शेख हसीना के साथ घनिष्ठ संबंध होने की वजह से भारत को हमेशा इसका लाभ मिला। लेकिन बाइडन की करतूत ने भारत-बांग्लादेश संबंधों पर पानी फेर दिया। ट्रंप की जीत के बाद भारत का दबदबा एक बार फिर बढ़ेगा। इतना ही नहीं, ट्रंप की जीत से शेख हसीना की पार्टी का भी मनोबल बढ़ेगा। वह फिर से सत्ता हासिल करने की कोशिश करेंगे। हालांकि, यह मनोवैज्ञानिक ही रहेगा। शेख हसीना और उनसे जुड़े लोग बांग्लादेश लौटेंगे, इसकी संभावना अभी तो नजर नहीं आती। शफकत रब्बी ने लिखा, शेख हसीना के रणनीतिकार बीजेपी से जुड़े प्रवासी भारतीयों के माध्यम से ट्रंप प्रशासन तक आसानी से पहुंच बना लेंगे। बाइडन प्रशासन ऐसा कर पाना उनके लिए काफी मुश्किल था। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और बढ़ते इस्लामी आतंकवाद का जिक्र कर वे ट्रंप को समझाने की कोशिश करेंगे की फिर शेख हसीना को वहां भेजने की कोशिश की जाए। इसके बाद ट्रंप सरकार शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी का दबाव बना सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप खुलकर कह चुके हैं की बांग्लादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न वे बर्दाश्त नहीं करने वाले। अब उसका असर साफ-साफ दिखेगा। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथ और हिन्दुओं के उत्पीड़न से जुड़ी बातें अब उनके पास सीधे-सीधे जाएंगी। शेख हसीना के सहयोगियों और ट्रंप प्रशासन में सीधा दखल रखने वाले प्रवासी भारतीयों के बीच घनिष्ट रिश्ता है। इसका वे फायदा उठाएंगे। बताएंगे कि किस तरह बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथ बढ़ रहा है। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी इस्लामी कट्टरपंथ के खात्मे की बात कहते रहे हैं। वहां की मीडिया का रुख भी बदल जाएगा और इन सबका फायदा शेख हसीना की पार्टी को मिलने वाला है।

# राजस्थान विधानसभा उपचुनावः गढ़ बचाने में लगी पार्टियां

-रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को सात विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। सात में से पांच विधानसभा सीटों झुंझुनू, दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, चौरासी में वहां के विधायकों के सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से उपचुनाव होने जा रहे हैं। वहीं सलूंबर व रामगढ़ में विधायकों की मृत्यु होने के चलते उपचुनाव हो रहे हैं। हालांकि इन विधानसभा उपचुनावो के नतीजों से प्रदेश की राजनीति में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इससे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को कोई खतरा होने वाला नहीं है। मगर इन उपचुनाव के नतीजे का असर प्रदेश की राजनीति में कई पार्टियों व उनके नेताओं के राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करेगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में सात विधानसभा सीटों में से चार सीटों पर कांग्रेस पार्टी के विधायक थे। वही एक सीट पर भाजपा, एक पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) व एक पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का विधायक था।

जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे है। उनमें से प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पास सिर्फ एक सलूंबर की सीट थी। जहां उनके लगातार तीन बार के विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के चलते उपचुनाव हो रहा है। भाजपा के लिए सलूंबर की सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। इसीलिए भाजपा ने दिवंगत विधायक की पत्नी शांता मीणा को टिकट देकर सहानुभूति का लाभ उठाना चाहती है। इसके अलावा प्रदेश की अन्य विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरी है।

उपचुनाव में हार जीत के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बहुत अच्छा नहीं रहा था। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहते हैं कि सभी सात सीटों पर उपचुनाव में उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को विजय बनवाकर भाजपा आला कमान की नजरों में अपनी मजबूत छवि बना सके। भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीटों पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने समय रहते अपने सभी बागियों को मना कर एकजुटता का संदेश देने में सफल रही है। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ उतरे बागियों को चुनाव से हटाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास सफल रहे हैं। प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के उपचुनाव में विजय हासिल करने के चक्कर में भाजपा ने अपनी नीति व सिद्धांतों को भी ताक पर रख दिया है। दौसा सीट पर राजस्थान सरकार में मंत्री डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को प्रत्याशी बनाया है। जबकि दौसा सीट सामान्य वर्ग की सीट है। मगर भाजपा ने डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के दबाव में अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भतीजे राजेन्द्र मीणा भी महुआ से विधायक है। इस तरह एक परिवार के तीन लोगों को पार्टी ने टिकट देकर परिवारवाद को बढ़ावा दिया है।

वही 2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू से भाजपा के प्रत्याशी निशित कुमार उर्फ बबलू के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र भांभू व रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सुखवंत सिंह को टिकट देकर मैदान में उतार दिया है। देवली-उनियारा सीट पर भी भाजपा ने पिछली बार चुनाव लड़े कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला का टिकट काटकर पूर्व विधायक राजेंद्र गुर्जर को मैदान में उतारा है। वहीं खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल को पिछले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देकर मात्र 2059 वोटो से हारने वाले रेवतराम डागा को फिर से मैदान में उतारा है।

चौरासी सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की करारी हार हुयी थी। इस बार भाजपा ने वहां नया प्रत्याशी कारीलाल ननोमा को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी सीमलवाड़ा पंचायत समिति के प्रधान है तथा सादड़िया के सरपंच रह चुके हैं। अब उनकी पुत्रवधू रेखा सरपंच है। उनकी पत्नी हाकली देवी भी सरपंच रह चुकी है। क्षेत्र में अच्छी पकड़ होने के कारण राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस बार वहां भाजपा कड़ी टक्कर दे सकती है।

कांग्रेस को अपनी चार सीट झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा व रामगढ़ फिर से जितनी होगी। साथ ही अन्य तीन सीटों पर भी अपनी ताकत दिखानी होगी कांग्रेस ने झुंझुनू सें सांसद बने बृजेंद्र सिंह ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। अमित ओला ओला परिवार की तीसरी पीढ़ी है तथा उनके दादा शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद नौ बार विधायक केंद्र तथा राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। वहीं रामगढ़ सीट पर दिवंगत विधायक जुबेर खान के पुत्र आर्यन खान को उतार कर सहानुभूति के बल पर चुनाव जीतना चाहती है। दौसा सामान्य सीट पर कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के दीनदयाल बैरवा को टिकट देकर मैदान में उतारा है। देवली-उनियारा से पूर्व अधिकारी कस्तूर चंद मीणा को मैदान में उतारा है। यहां कांग्रेस के बागी नरेश मीणा चुनाव को त्रिकोणात्मक बना रहे हैं। नरेश मीणा को कांग्रेस पार्टी मनाने में नाकाम रही है। जिसके चलते कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति ज्यादा बेहतर नहीं मानी जा रही है।

सलूंबर में कांग्रेस ने 2018 में निर्दलिय चुनाव लड़कर कांग्रेस को हराने वाली रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। जिससे नाराज होकर सांसद, विधायक व मंत्री रह चुके रघुवीर मीणा अंदर खाने पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। चौरासी सीट पर कांग्रेस पार्टी ने इस बार 29 साल के नए प्रत्याशी महेश रोत को मैदान में उतारा है। खींवसर सीट पर कांग्रेस पार्टी ने महिला प्रत्याशी रतन चैधरी को मैदान में उतार कर हनुमान बेनीवाल के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई है। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है। खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछला विधानसभा चुनाव वह मात्र 2059 वोटो से जीते थे। फिर कांग्रेस से गठबंधन कर नागौर से सांसद चुने जाने पर उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के रेवत राम डागा व कांग्रेस की रतन चैधरी से होगा। हनुमान बेनीवाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के रेवत राम डागा को महज 2059 वोटो से हराया था। विधानसभा उपचुनाव में यदि हनुमान बेनीवाल की पत्नी चुनाव हार जाती है तो उनकी पार्टी का विधानसभा में प्रतिनिधित्व तो समाप्त होगा ही साथ ही उनका प्रदेश की राजनीति में प्रभाव भी काम हो जायेगा। इसलिए हनुमान बेनीवाल के लिए उपचुनाव में करो व मारो वाली स्थिति बनी हुई है।

आदिवासी बहुल चैरासी विधानसभा सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में आप पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार रोत 69166 वोटो से चुनाव जीते थे। उनके बांसवाड़ा-डूंगरपुर से सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से खाली हुई चौरासी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। आदिवासी बेल्ट में बाप पार्टी का प्रभाव लगातार प्रभाव बढ़ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में बाप पार्टी के तीन विधायक जीते थे। चौरासी सीट पर कांग्रेस व भाजपा ने भी इस बार नए प्रत्याशियों को मौका दिया है। वही बाप पार्टी का बागी बदामीलाल ताबियाड़ भी चुनाव मैदान में खड़ा है। उनकी पत्नी शर्मिला अभी चिखली पंचायत समिति की प्रधान है। बदामीलाल को पार्टी अध्यक्ष राजकुमार रोत मैदान से हटाने में असफल रहे हैं। सांसद रोत के लिए चौरासी सीट उनकी प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। क्योंकि वह वहां से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। यदि चैरासी से उनकी पार्टी का प्रत्याशी चुनाव हारता है तो उनके बढ़ते प्रभाव को झटका लगेगा।

राजस्थान की सात में से चार विधानसभा सीटों झुंझुनू, देवली-उनियारा, खींवसर में तिकोना व चौरासी में चैकोना मुकाबला होने जा रहा है। झुंझुनू में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के मैदान में उतरने से मुकाबला तिकोना हो गया। गुढ़ा जितने मुस्लिम व अनुसूचित जाति के वोट लेंगे उसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा। वहीं राजपूत वोटो का नुकसान भाजपा को होगा। विधानसभा उपचुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। जैसे-जैसे उपचुनाव मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही हैं। वैसे-वैसे राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारक भी चुनाव मैदान में उतरकर प्रचार करने लगे हैं। उप चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, रालोपा व बाप पार्टी की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अपनी प्रतिष्ठा बचाने में राजनीतिक पार्टियों कितनी सफल हो पाती है इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही चल पाएगा।

# ट्रम्प की जीत के भारत के लिए मायने

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ट्रम्प की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रम्प की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ. इतना ही काफी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रम्प को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नजर में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेजी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरूआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। ट्रम्प के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से 'शेल' तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है।

दूसरा पहलू यह है कि ट्रम्प के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मजबूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा। इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है।

यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया। अब आगे अमेरिकी चुनावी सुधारों पर अब गंभीरता से बहस शुरू होगी। व्यवस्था टूट चुकी है और इसे ठीक करने की जरूरत है। सुधार किस तरह की रूपरेखा अपनाएगा, यह केवल विस्तार का विषय है, लेकिन, सिद्धांत रूप में, इसकी आवश्यकता पर बातचीत शुरू होगी। यह एकमात्र तरीका है जिससे अमेरिका सभ्यतागत पतन से बच सकता है जिसकी ओर वह वर्तमान में बढ़ रहा है और ट्रम्प यह जानते हैं। हालांकि, कड़े व्यापार रवैये के बावजूद ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर अमेरिकी व्यापार सरप्लस की जांच और संभावित प्रतिबंध लगाने का दबाव रहेगा। इसके बावजूद, अमेरिका की 'चाइना प्लस वन' रणनीति भारत के लिए अवसर ला सकती है। 'चाइना प्लस वन' एक व्यापार रणनीति है, जिसमें कंपनियाँ चीन पर निर्भरता घटाने के लिए अन्य देशों, जैसे भारत में अपने संचालन को बढ़ा रही हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से आयातित सामान पर टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को घरेलू स्तर पर लाने पर जोर के चलते यह रणनीति तेजी से उभरी थी। इस बार भी ट्रंप की वापसी से यह रुख और मजबूत हो सकता है, जिससे भारत जैसे देशों में निवेश और सप्लाई चेन विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

**अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरूआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। उनके पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं।**

## बीजेपी प्रत्याशी पराग शाह का पैर हुआ फ्रैक्चर, कुर्सी पर बैठकर प्रचार करेंगे

मुंबई। घाटकोपर पूर्व से महायुति के उम्मीदवार पराग शाह अपने पैर की सर्जरी कराएंगे क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। भाजपा प्रत्याशी पराग शाह ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि डॉक्टर ने उन्हें एक महीने तक पैर में प्लास्टर लगाकर आराम करने की सलाह दी है।. शाह ने कहा कि चूंकि प्रचार के लिए सिर्फ दो हफ्ते बचे हैं इसलिए वह कुर्सी पर बैठकर प्रचार करेंगे. बता दें कि मंगलवार को, पराग शाह घाटकोपर पूर्व में चुनाव प्रचार के लिए अपने घर से निकले ही थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और उनके बायां पैर पूरी तरह फ्रैक्चर हो गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है. लेकिन पराग शाह ने एक महीने बाद सर्जरी कराने का फैसला किया है और कहा गया है कि वह निर्वाचन क्षेत्र में व्हीलचेयर पर चुनाव प्रचार करेंगे।

## ओबेन इलेक्ट्रिक ने ईजी टू राइड रोर ईजी बाइक लॉन्च की

मुंबई। इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली ओबेन इलेक्ट्रिक ने अपनी लोकप्रिय रोर सीरीज में नई इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोर ईजी लॉन्च की है। यह बाइक रोजाना के सफर को आसान और आरामदायक बनाने के लिए डिजाइन की गई है। रोर ईजी की शुरूआती कीमत 89,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है, जो सीमित समय के लिए लागू है। 'इंडिया राइड्स ईजी' की भावना को ध्यान में रखते हुए, इस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सभी के लिए सुलभ बनाना है। ओबेन इलेक्ट्रिक ने रोर ईजी के लिए सिर्फ 2,999 रूपए में तुरंत बुकिंग खोल दी है, साथ ही स्टोर्स पर तुरंत टेस्ट राइड्स और डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

रोर ईजी शानदार लुक्स, हाई परफॉरमेंस टेक्नोलॉजी और एफर्टलेस हैंडलिंग का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है, जो डेली के ट्रैफिक की चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है। इस बाइक से आपको बार-बार क्लच और गियर बदलने, वाइब्रेशन, ओवरहीटिंग, बढ़ते ईंधन खर्च और महंगे रखरखाव की झंझटों से छुटकारा मिलता है। रोर ईजी तीन बैटरी वेरिएंट्स में उपलब्ध है - 2.6 'हँ, 3.4 'हँ, और 4.4 'हँ, जो एक कम्फर्टेबल और स्मूथ राइड देती है और हर राइडर की जरूरतों को पूरा करती है। रोर ईजी नई पीढ़ी की मोटरसाइकिल का प्रतीक है, जो ट्रेडिशनल गियर शिफ्टिंग के झंझट को खत्म करके ईजी ऑटोमैटिक राइडिंग का एक्सपीरियंस देती है। यह बाइक शहर के यात्रियों के लिए एक नई क्रांति लेकर आई है, जो सिटी कम्यूटिंग को पहले से कहीं अधिक सहज और सुविधाजनक बना रही है। रोर ईजी की खासियत इसकी कटिंग ऐज पेटेंटेड हाई-परफॉर्मेंस एलएफपी बैटरी टेक्नोलॉजी है, जो 50% अधिक टेम्परेचर रेसिस्टेंट और 2 गुना लॉन्ग लाइफ के साथ आती है। इसकी वजह से यह भारत के हर मौसम में साथ देती है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में एलएफपी केमिस्ट्री का उपयोग करने वाले ओबेन इलेक्ट्रिक ने एक हाई स्टैण्डर्ड सेट किया है। यही वजह है कि यह इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के लिए सबसे बेहतरीन और सुरक्षित बैटरियों में से एक है। रोर ईजी के सभी वेरिएंट्स शानदार परफॉरमेंस देते हैं और सभी की टॉप स्पीड 95 किमी/घंटा है। सभी बाइक 0 से 40 किमी/घंटा की स्पीड सिर्फ 3.3 सेकंड में पकड़ लेते हैं। 52 एनएम का क्लास-लीडिंग टॉर्क होने से यह बाइक तेजी से एक्सेलेरेटर करती है और एक स्मूथ और रोमांचक राइड का एक्सपीरियंस देती है, जिससे यह शहर के ट्रैफिक में चलाने के लिए एक बेहतरीन बाइक है। रोर ईजी में 175 किमी (आईडीसी) तक की लंबी रेंज है, जो बार-बार चार्ज करने की झंझट के बिना शहर में आसानी से आने-जाने की सुविधा देती है। इसके अलावा, यह फास्ट-चार्जिंग से लैस है, जिससे इसे सिर्फ 45 मिनट में 80% तक चार्ज किया जा सकता है।

## मैजिकब्रिक्स सर्वे में 35% खरीदारों ने अल्ट्रा-लक्जरी संपत्तियों पर दिखाई रुचि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मैजिकब्रिक्स के नवीनतम सर्वेक्षण में 13 प्रमुख शहरों में लक्जरी रियल एस्टेट के प्रति मजबूत ग्राहक प्रवृत्तियाँ देखने को मिली हैं। सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि 25.5% संभावित खरीदार ?1 करोड़ से ऊपर की संपत्तियों पर विचार कर रहे हैं, और 3.5–5 करोड़ के खंड में विशेष रुचि दिखाई दे रही है। लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी घरों में रुचि में भारी वृद्धि हुई है, जिसमें 35% उत्तरदाताओं ने उच्च इच्छा व्यक्त की, जो पिछले तिमाही में रिकॉर्ड किए गए 18% के लगभग दोगुना है। यह महत्वपूर्ण बदलाव लक्जरी हाउसिंग बाजार में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि बड़े रहने के स्थानों के प्रति एक मजबूत प्राथमिकता है। लगभग 45% उत्तरदाता 2,000 वर्ग फीट से ऊपर के घरों की तलाश कर रहे हैं, जो पोस्ट-कोविड जीवनशैली में बदलाव और बढ़ती Disposable आय से प्रेरित हैं। इसके अतिरिक्त, 56% खरीदार 3इलड या उससे बड़े कॉनफि गरेशन को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो बड़े और अधिक कार्यात्मक घरों की मांग को दर्शाता है।

## रायन इंटरनेशनल एकेडमी के विद्यार्थियों ने ओजोन क्षरण पर जागरूकता बढ़ाने के लिये नुक्कड़ नाटक किया

पुणे। रायन इंटरनेशनल एकेडमी, हिंजावाड़ी के विद्यार्थियों ने पर्यावरण के हित में एक असरदार अभियान के तहत एक दिलचस्प नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इसका उद्देश्य ओजोन परत के क्षरण पर जागरूकता पैदा करना था। विद्यार्थियों की इस प्रस्तुति को हिंजावाड़ी की तीन प्रमुख जगहों के स्थानीय निवासियों ने देखा और उन्हें इस नाटक में पर्यावरण के संरक्षण का संदेश मिला। इस रचनात्मक माध्यम की मदद से विद्यार्थी चाहते थे कि लोगों को पर्यावरण की इस गंभीर समस्या का पता चले। कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने एक द्विभाषी नाटक में अभिनय किया, जो हिन्दी तथा अंग्रेजी में था। उन्होंने लोगों को क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स (सीएफसी) के हानिकारक प्रभावों की जानकारी दी। यह पदार्थ एयर-कंडीशनिंग तथा रेफ्रिजरेशन के सिस्टम्स से निकलते हैं। इस शो का आयोजन ब्लू रिज सर्कल (फेज 1), हैप्पीनेस स्ट्रीट (फेज 2) और फाउंटेन मार्केट (फेज 3) में हुआ था। तीनों जगहों पर कुल 210 से 240 लोग इस प्रस्तुति को देखने पहुँचे थे। इवेंट हेड सुश्री अर्चना तिवारी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपना संदेश प्रभावी तरीके से देने के लिये एक हफ्ते तक तैयारी की थी। यह नाटक बेहद व्यावहारिक था और इसमें घरों तथा कार्यालयों में एयर कंडीशनिंग सिस्टम्स के उचित इस्तेमाल पर फोकस किया गया, ताकि सीएफसी का उत्सर्जन कम हो सके। विद्यार्थियों ने संदेश देने वाले पोस्टर्स और बैनर्स से अपनी प्रस्तुति को और भी उम्दा बना दिया, ताकि पर्यावरण को बचाने का संदेश मजबूती से दिया जा सके।

# रिपब्लिकन पार्टी महायुति का प्रमुख घटक है: रामदास आठवले

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रिपब्लिकन पार्टी महायुति का मुख्य घटक दल है, इसलिए रिपब्लिकन पार्टी विधानसभा चुनाव में महायुति के आधिकारिक उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है। माहिम निर्वाचन क्षेत्र में, महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार सदा सरवणकर को हमारा समर्थन प्राप्त है, इसी तरह, मानखुर्द-शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार सुरेश उर्फ बुलेट पाटिल हैं। रामदास अठावले मंगलवार की शाम को गरवारे क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के कार्यकताओं को राज्य में सत्ता में हिस्सेदारी दिलाने के लिए ही रिपब्लिकन पार्टी ने महायुति का समर्थन किया है। पिछले कुछ वर्षों से रिपब्लिकन पार्टी को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली, लेकिन इस महीने महाराष्ट्र का चुनाव कार्यक्रम खत्म होते ही महायुति सरकार फिर से सत्ता में आ जायेगी। रिपब्लिकन पार्टी को सत्ता में निश्चित हिस्सेदारी मिलेगी। चार महामंडल अध्यक्ष, और 60 महामंडल सदस्य पद, आने वाले समय में मनपा चुनावों में जिला तालुका सरकारी समितियों के सदस्य पद दिए जाएंगे, रिपब्लिकन कार्यकर्ताओं को जिला परिषद पंचायत समिति में अपने वार्ड बनाने चाहिए। रिपब्लिकन कार्यकताओं को स्थानीय स्वराज्य संस्था निकायों में उम्मीदवारी जीतने के लिए अभी से तैयारी करनी चाहिए महायुति के आधिकारिक उम्मीदवारों ने सीटों के आवंटन को लेकर अपने असंतोष को दूर करने के लिए ऐसा किया है। मनोज जारांगे का विधानसभा चुनाव से अपना उम्मीदवार वापस लेना राजनीतिक और सामाजिक तौर पर उनका बहुत अच्छा और दूरदर्शी फैसला है, ऐसा कहते हुए रामदास अठावले ने मनोज जारांगे की भूमिका का स्वागत किया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज ठाकरे ने मेरे मंत्री पद के बारे में जो बयान दिया है, वह उनके लिए उपयुक्त नहीं है।

## समता संघ की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श

मुंबई। सामाजिक संस्था हिंदीभाषी समता संघ की ओर से बुधवार को देर शाम जोगेश्वरी (पश्चिम) के बेहरामबाग, न्यू. लिंक रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा संस्था के गठन और उसके महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने ने कहा कि हिंदीभाषी समता संघ का गठन सामाजिक और रचनात्मक कार्य करने के लिए किया गया है। संस्था का गठन किसी को ऊंचा-नीचा दिखाने के लिए नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि संस्था की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की नोटिस अब सब लोग लेने लगे हैं। अगर हम भविष्य में भी इसी तरह से समाज कार्य करते रहे तो बहुत जल्द संस्था को विस्तारित होने समय नहीं लगेगा। संस्था के कोषाध्यक्ष गंगाराम विश्वकर्मा व सामजसेवी चन्द्रकांत शिंदें ने भी संस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्था के महासचिव शीतला प्रसाद सरोज, घनश्याम पाल, सुशील गौड़, अशोक लोहार, कमल यादव, राजेश यादव, सुनील गुप्ता, प्रमोद यादव, रामकेश गुप्ता, पुरुषोत्तम यादव, संजीव सिंह, संतोष यादव, चंद्रजीत यादव और घनश्याम यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

## जी जेस्ट अनलिमिटेड अवार्ड्स 2025 के तीसरे संस्करण की घोषणा

मुंबई। भारत का प्रमुख लाइफस्टाल प्लेटफॉर्म जी जेस्ट ने अपने बहु प्रतीक्षित जी जेस्ट अनलिमिट अवार्ड्स 2025 के तीसरे संस्करण की घोषणा की है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार लगातार उन दूरदर्शी तथा नवाचार करने वाले लोगों को सम्मानित कर रहे हैं, जो अपने असाधारण योगदानों से फूड, ट्रैवेल और लाइफस्टाइल के भविष्य को नई परिभाषा दे रहे हैं। 2025 एडिशन के लिये जी जेस्ट अग्रणी प्रतिष्ठानों को आमंत्रित करता है, जिनमें लक्जरी रिजॉर्ट्स से लेकर बूटिक होटल्स और डाइनिंग रेस्टोरेन्ट्स से लेकर हलचल से भरे नाइटलाइफ डेस्टिनेशन शामिल हैं। उन्हें अपने शानदार योगदान दिखाकर उद्योग के प्रमुखों के बीच अपनी चमक बिखेरने का मौका मिलेगा। इसमें 40 बेहतरीन कैटेगरीज हैं और यह व्यवसायों के लिये एक रोमांचक मौका है कि वे अपनी रचनात्मकता, नवाचार और प्रभाव के लिये सम्मानित हो सकें। एंट्रीज का मूल्यांकन उद्योग के अग्रणी लोगों का एक विशिष्ट पैनल करेगा, जैसे कि रश्मि उदय सिंह, वरुण शर्मा, अविनाश मार्टिन्स, अदिति दुगर और सुवीर सरन। उनके साथ दूसरे जाने-माने विशेषज्ञ भी होंगे, जो सुनिश्चित करेंगे कि हर आवेदन का पूरा और विशेषज्ञ मूल्यांकन हो। इस बीच पब्लिक वोटिंग के माध्यम से उपभोक्ता अपने पसंदीदा और अभिनव प्रतिष्ठानों को चुनने में सक्रिय होकर भाग ले सकेंगे। जी जेस्ट के बिजनेस हेड ऋषि पारेख ने कहा जी जेस्ट अनलिमिट अवार्ड्स उन पथ-प्रदर्शकों की सराहना करते हैं, जो रचनात्मकता, कारीगरी और नवाचार की सीमाओं को नई परिभाषा देते हैं। उन चेंजमेकर्स को सम्मानित करने पर हमें गर्व है, जो फूड, ट्रैवेल और लाइफस्टाइल में सीमाओं को तोड़ रहे हैं और कुछ न कुछ बेजोड़ लेकर आ रहे हैं।

# कोंकण में सिर्फ और सिर्फ महायुती ही जीतेगी: रविन्द्र चव्हाण

रत्नागिरी/ मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी के प्रचार प्रमुख और डोंबिवली के महायुति उम्मीदवार रवींद्र चव्हाण तीन दिवसीय रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग दौरे पर हैं. इस दौरे के मौके पर उन्होंने रत्नागिरी जिले के कोने-कोने में महायुति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से कई विषयों पर बातचीत की. अकेले महायुति के पास ही महाराष्ट्र के लिए आवश्यक विकास नीति है। हम सभी ने पिछले ढाई वर्षों में इसका अनुभव किया है। इसलिए, महायुति सरकार द्वारा लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। साथ ही, उन्होंने कहा, "थोड़े समय के लिए मतभेद दूर करें और महायुति के उम्मीदवारों के पीछे पूरी ताकत से खड़े रहें." रवींद्र चव्हाण ने कार्यकताओं से यह अपील की है. साथ ही इन बैठकों में मार्गदर्शन करते हुए रवींद्र चव्हाण ने कहा कि "कार्यकर्ता ही महायुति की असली ताकत हैं. महायुति कार्यकर्ता राज्य स्तर पर काम कर रहे हैं. उन्होंने ᵶमहायुति की महाविजयᵶ का संकल्प लिया है. इसलिए हमें विश्वास है कि महायुति लगभग 200 सीटें जीतेंगी. रवींद्र चव्हाण ने यह भी भरोसा जताया है कि कोंकण में सिर्फ और सिर्फ महायुति ही जीतेगी. विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार, महायुति के गुहागर उम्मीदवार राजेश बेंडल, रत्नागिरी उम्मीदवार उदय सामंत, खेड़ दापोली उम्मीदवार योगेश कदम, राजापुर उम्मीदवार किरण सामंत, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, सांसद धैर्यशील माने, पूर्व विधायक विनय नातू, भाजपा उपाध्यक्ष अतुल कालसेकर, भाजपा उत्तर रत्नागिरी जिला अध्यक्ष केदार साठे, भाजपा दक्षिण रत्नागिरी जिला अध्यक्ष राजेश सामंत, रत्नागिरी जिले के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

## बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में दो और गिरफ्तारी

मुंबई/पुणे। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों कुल संख्या 18 हो गई है। इससे पहले बीते बुधवार को मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से गौरव अप्पुने (23) को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला था कि गौरव ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की योजना बनाने के लिए कई बार अन्य आरोपियों से मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, पुणे के रहने वाले दोनों संदिग्धों को पुणे में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार दोनों संदिग्ध आरोपी प्रवीण लोनकर के संपर्क में थे, जिसने कथित तौर पर उन्हें लगभग 30 पिस्टल की गोलियां मुहैया कराई थीं। संदिग्धों को मुंबई लाया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

# माटुंगा में एडवोकेट हिंदू धर्म रक्षक विष्णु शंकर जैन का व्याख्यान 9 नवंबर को

-राजकुमार अग्रहरि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार व धर्म जागरण हेतु सामाजिक, सांस्कृतिक धार्मिक संस्थान व चुनौतीयों पर व्याख्यान का आयोजन माटुंगा कच्छी मूर्ति पुजक जैन श्वेताम्बर व श्री माटुंगा जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छ संघ के द्वारा स्थान-नारायण श्याम जी वाडी (हाल) माहेश्वरी उद्यान के पास भाऊदाजी रोड माटुंगा पुर्व में शनिवार दि. 9 नवंबर को शाम 6 बजे नाश्ता व चाय करने के बाद 7 बजे से हिंदू धर्म रक्षक एडवोकेट श्री विष्णु शंकर जैन के मुखारविंद द्वारा व्याख्यान रखा गया है। यह आयोजन श्री माटुंगा कच्छी मूर्ति पूजक जैन श्वेताम्बर संघ व श्री मटुंगा जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक तपागच्छ संघ, माटुंगा, दादर, वडाला, सायन कोलीवाड़ा, धारावी, चुनाभट्टी, प्रतिक्षा नगर, आंटापहिल, संगम नगर के रहवासियों की उपस्थिति में होगा। बताया जाता है कि पिता पुत्र दोनों ने मिलकर राम मंदिर का केस लड़ा और सफलता भी प्राप्त किया। अब ज्ञानवापी मस्जिद का भी केस लड़ रहे हैं, भोले नाथ की कृपा से सफलता भी प्राप्त हो रही है शीघ्र ही मस्जिद से मंदिर में परिवर्तित हो जाएंगा और अब मथुरा श्री कृष्ण मंदिर का भी कोर्ट में फाइल कर चुके हैं जहां मंदिर के विपक्ष में 35 वकील लड़ रहे थे वहीं दोनों पिता पुत्र अकेले ही हिंदू समाज के लिए खड़े थे। हिंदुओं से निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित रहकर उनके भावनाओं को सुनें और कार्यक्रम को सफल बनाएं। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार राजकुमार अग्रहरि ने दी है।

# महाराष्ट्र को मजबूत बनाने वाला एनसीपी का घोषणापत्र: प्रमोद हिंदुराव

### बगावत से महायुति को नहीं होगा नुकसान, हिंदूराव ने जताया विश्वास

कल्याण। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अपना स्वतंत्र घोषणापत्र जारी किया है। इस घोषणापत्र में कई घोषणाएं की गई हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेशउपाध्यक्ष प्रमोद हिंदूराव ने बाकल्याण में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए मीडिया को इस घोषणापत्र के प्रमुख पहलुओं की जानकारी दी। एनसीपी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि लाडली बहन योजना के तहत लाभार्थियों को दी जाने वाली राशि 1500 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये कर दी जाएगी। साथ ही पुलिस बल में 25,000 महिलाओं की भर्ती, बिजली बिल में 30 प्रतिशत की कमी करके सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देना और राज्य में महायुति सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर एक नया महाराष्ट्र विजन स्थापित किए जाने का वादा पार्टी ने किया। प्रमोद हिंदूराव ने कहा कि एनसीपी कांग्रेस पार्टी महायुति के माध्यम से जनता के हित में फैसले लेने का काम कर रही है। प्रमोद हिंदूराव ने कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा शहर अध्यक्ष वरुण पाटिल की बगावत पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी बागी प्रत्याशियों को जनता प्रोत्साहित नहीं करती है, बल्कि पार्टी महत्वपूर्ण है। हिंदूराव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह विश्वास भी जताया कि महायुति का हर उम्मीदवार विजयी होगा।

# गांधीवादी विभूतियों को सम्मानित करने के लिए जमनालाल बजाज पुरस्कार का आयोजन

मुंबई। देश व दुनिया में अत्यंत प्रतिष्ठित जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार के 46वें संस्करण का आयोजन आगामी 13 नवंबर, 2024 को किया जाएगा। हर साल जमनालाल बजाज की जयंती के अवसर पर दिए जाने वाले इन पुरस्कारों के माध्यम से जनकल्याण संबंधी गतिविधियों तथा गांधीवादी विचारधारा से प्रेरित रचनात्मक कार्यक्रमों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया जाता है। इस साल के समारोह में सोसाइटी फॉर एजुकेशन, एक्शन एंड रिसर्च इन कम्युनिटी हेल्थ (रएअफ्छल) के संस्थापक एवं निदेशक, डॉ. अभय बंग मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। मुंबई में आयोजित एक विशेष समारोह में सभी प्रतिष्ठित विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता श्री शेखर बजाज, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के अध्यक्ष, जमनालाल बजाज फाउंडेशन; नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, फाउंडेशन के ट्रस्टी, और डॉ. आर. ए. माशेलकर, एफआरएस, फाउंडेशन की सलाहकार परिषद के अध्यक्ष करेंगे। अपनी स्थापना के बाद से अब तक, फाउंडेशन को पूरे भारत और 70 देशों से 7477 नामांकनों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आज की तारीख तक, फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय श्रेणी में 140 व्यक्तियों और अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में 36 व्यक्तियों को फाउंडेशन के जमनालाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। बड़े पैमाने पर समाज, ग्रामीण समुदाय और राष्ट्र के उत्थान एवं उन्नति में व्यक्तियों के अभूतपूर्व योगदान को सम्मानित करने और प्रेरित करने के उद्देश्य से यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सभी विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र, एक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। जमनालाल बजाज फाउंडेशन के संस्थापक श्री रामकृष्ण बजाज के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में, वर्ष 2023 में पुरस्कार राशि को 10,00,000 रुपये से बढ़ाकर 20,00,000 रुपये कर दिया गया है, तथा प्रत्येक श्रेणी के लिए पुरस्कार राशि में यह वृद्धि (या अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए विदेशी मुद्रा में इसके समतुल्य वृद्धि) वास्तव में स्मरणीय है।

# प्लस गोल्ड ने 'मीरा ज्वैलरी' कलेक्शन लॉन्च किया

मुंबई। प्लस गोल्ड, एक प्रमुख डिजिटल गोल्ड सेविंग्स प्लेटफॉर्म, ने अपने नए गोल्ड ज्वैलरी कलेक्शन 'मीरा' को लॉन्च किया है। इस कलेक्शन के तहत, यूजर्स अपनी सोने की बचत को शानदार, उच्च गुणवत्ता वाले गहनों में बदल सकते हैं, जो सीधे उनके घर तक पहुंचाए जाएंगे। 'मीरा' कलेक्शन में बीआईएस और एचयूआईडी सर्टिफाइड गोल्ड ज्वैलरी की एक व्यापक रेंज है, जिसमें अंगूठियां, पेंडेंट, चेन, ब्रेसलेट, चूड़ियां, इयररिंग्स और सोने के सिक्के शामिल हैं। प्रत्येक पीस को अत्यधिक सावधानी से तैयार किया गया है, जो उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्लस गोल्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्लस गोल्ड ऐप ने मीरा ज्वैलरी को खरीदने के लिए एक बेहद सरल और यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस डिजाइन किया है, जिससे ग्राहकों के लिये अपनी पसंदीदा ज्वैलरी को आसानी से देखना और खरीदना संभव होता है। इस प्लेटफॉर्म पर विभिन्न प्रकार के विशेष डिजाइन उपलब्ध हैं, जो हर ग्राहक की स्टाइल और पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। भविष्य में, ऐप व्यक्तिगत सिफारिशों और वर्चुअल ट्राई-ऑन जैसे आधुनिक फीचर्स के साथ खरीदारी का अनुभव और बेहतर करेगा। प्लस गोल्ड ऐप ने ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए मीरा ज्वैलरी के लिए भुगतान के लचीले विकल्प भी पेश किए हैं। यूजर्स अपनी सोने की बचत का उपयोग करके आंशिक या पूरी तरह से भुगतान कर सकते हैं, और शेष राशि दूसरे माध्यम से चुका सकते हैं। इस नई प्रक्रिया से लग्जरी गोल्ड ज्वैलरी अब ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगी।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# के.सी.एन. क्लब द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन आज

-अजीत सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। के.सी.एन. क्लब की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवध नगर स्थित श्री शानतेश्वरी दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार 8 नवंबर 2024 को क्लब के महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक संजय पाटील के 61वें जन्मदिन के मौके पर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि महाराष्ट्र प्रदेश मार्गदर्शक संजय पाटील उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय संरक्षक शोभनाथ त्रिपाठी करेंगे तथा सूत्र संचालन कोंकण मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र मेश्राम द्वारा किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में सैनिक प्रकोष्ठ राष्ट्रीय महासचिव भाऊराव तायड़े, युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव विक्रम शुक्ला, निर्झरिणी सयोजक भोलानाथ तिवारी, लोक कल्याण संस्था प्रमुख स्वामीनाथ पाण्डेय, उद्योजक अमर सिंह, आर.पी. पाण्डेय, उत्तर भारत सेवा समिति कार्याध्यक्ष संजय सिंह, विश्व हिंदू परिषद के महावीर जैन सोलंकी, एस.पी.सिंह, गणेश राणा, बजरंग दल के चन्दन सिंह, आनन्द गिरी, आनन्द त्रिपाठी, बजरंग दल के मनोज मिश्रा, समाजसेवी राजू शर्मा, उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अरविंद सिंह क्षत्रिय, उद्योजक जितेंद्र अग्रवाल गुड्डू, महिला शाखा की नीता राऊत, संगीता जायसवाल, जयंती महतो सहित अन्य अतिथि, पदाधिकारी, पत्रकार गण के अलावा केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्रा त्यागी, जिलाध्यक्ष यजुवेंद्र सावे प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर के बाबत अधिक जानकारी हेतु दूरभाष क्रमांक 9022265159 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# शाहगंज में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

**शिव कुमार प्रजापति**

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आदिगंगा की जलधारा में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को निहार अर्घ्य देती महिलाओं का हुजूम और उनका सहयोग करते पति, बच्चे व सगे-संबंधी। यह दृश्य रहा बृहस्पति की शाम आस्था के महापर्व छठ के मौके पर शाहगंज नगर बौलिया मन्दिर घाट का। छठ की मधुर गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। हर ओर उत्साह है। घाटों से लेकर सड़क तक की गई भव्य सजावट से मेले जैसा नजारा हर ओर दिखा। श्रद्धालुओं

## सड़क से लेकर घाटों तक डाला छठ पर की गई भव्य सजावट

की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। यही स्थिति अन्य क्षेत्रों के तालाबों के किनारे भी रही। आज उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस चार दिवशीय व्रत का पारण होगा। बृहस्पति की शाम जब भगवान भास्कर की रश्मियां मद्धिम पड़ी तो शहर के हरेक मोहल्ले से निकल पड़ी गाजे-बाजे के साथ व्रती महिलाओं संग श्रद्धालुओं की टोलियां। मेले जैसा दृश्य दिखा।पक्का पोखरा सहित अन्य घाटों पर हुजूम उमड़ पड़ा। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर सुहागिन महिलाओं ने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि व अखंड सौभाग्य की कामना की। डाला छठ पर्व पर दोपहर बाद से ही नगर की हर राह अलग अलग घाट जाने वाले श्रद्धालुओं से पट गया। नगर तथा ग्रामीण अंचलों में हजारों छठ व्रतियों ने दोपहर बाद ही बौलिया मन्दिर समेत अन्य जलाशयों के किनारे पहुँचकर प्रसाद भरे दऊरा (बांस की टोकरी) को छठी मइया के चरणों में समर्पित किया। कोसी भरने वाली व्रतियों ने इसे सुरक्षित रखा। व्रतियों और परिवार के लोग कमर भर पानी में खड़े हो गए।

अस्ताचलगामी भगवान सूर्य का गुड़, शुद्ध घी से बने ठेकुआ, फल, मूली, सुथनी, हल्दी, हरी सब्जियां, ईख, नारियल आदि पारंपरिक प्रसाद के साथ पूजन किया। दूध व जल से अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया की वंदना की। उपासक सुहागिनें जब डूबते सूर्य को अर्घ्य देने जलाशय में उतरीं और भगवान से मनोरथ पूर्ण करने की कामना कर बाहर निकलीं तो पूजा में शामिल महिलाओं ने उन्हें सिंदूर लगाया।

शाहगंज के नटौली पोखरा व घासमंडी स्थित श्रीराम जानकी बौलिया मंदिर पर व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर पूजन किया। मंदिर परिसर स्थित पोखरे के आस-पास महिलाओं की भारी भीड़ लग रही। व्रती महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। व्यवस्था की दृष्टि से स्वयंसेवक व पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान, एसडीएम राजेश कुमार चौरसिया एवं कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र कुमार लगातार चक्रमण करते रहें।

## काशी के घाटों पर दिखा आस्था का सैलाब

### डाला छठ पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। धर्म की नगरी काशी में महापर्व डाला छठ के अवसर पर गुरुवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाओं का जमावड़ा रहा। उनके साथ दर्जनों की संख्या में आस्थावान परिजन भी मौजूद थे। सभी सूर्य को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की कामना किया। महापर्व डाला छठ को लेकर 36 घंटे के व्रत की शुरूआत के साथ ही पूजन-अर्चन चल रहे हैं। घरों से लेकर घाटों और तालाबों तक श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई थी। सूर्य के अस्त होने से पहले वाराणसी के तमाम घाटों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। लोग दीप जलाने के साथ ही सूर्य के अस्त होने का इंतजार करते दिखे। महिलाएं भक्ति गीत गा रही थीं।

# शादी का झांसा देकर युवक ने दोस्त के साथ मिलकर नाबालिग से किया सामूहिक दुष्कर्म

**प्रियेश गुप्ता रुद्र**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा शादी का झांसा देकर युवक ने अपने एक नाबालिग से दोस्त के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती को छोड़ दिया। नाबालिग ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है दूसरे की तलाश जारी है।

थानाध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय ने बताया कि बक्शा थाना क्षेत्र के चुरावनपुर निवासी विशाल मौर्य ने महराजगंज के एक गांव निवासी नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पिछले महीने दोस्त विकास को भी साथ लेकर सामूहिक दुष्कर्म कर नाबालिग को छोड़कर भाग गए। किसी से बताने पर वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। ऐसे में सहमी युवती ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी देकर थाने में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। बुधवार को उसके घर से विशाल उर्फ कोमल को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरा फरार साथी विकास की सरगर्मी से तलाश कर रही है। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर चालान हेतु न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि यदि दो दिन के अंदर आरोपी विकास नहीं मिला तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

# छठ पूजन: डूबते सूर्य को अर्घ्य देती महिलाएं घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**निशानाथ**

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। देश भर में आस्था का महापर्व छठ पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। इस पर्व के तीसरे दिन, गुरुवार को सैकड़ो महिलाएं डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी घाटों और तालाबों पर उमड़ीं। सूर्य देव की पूजा में विशेष संकल्प लेकर व्रत रखने वाली इन महिलाओं ने पानी में खड़े होकर संध्या अर्घ्य अर्पित किया और सुख-समृद्धि की कामना की। कस्बा के बारां स्थित फक्कड़ बाबा की कुटिया पर बने घाट व भारतीय विद्यापीठ पर पोखरे पर शाम होते ही पुरुष सिर पर दउरा रखकर महिलाओं के साथ पहुँचना शुरू कर दिए। जहाँ ढलते सूर्य को अर्घ्य देकर मंगल कामना किया। इसके पश्चात छठी मइया की आरती हुई, इसके उपरांत प्रसाद भी वितरण किया गया। आपको बता दे कि प्रत्येक वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाए जाने वाले इस पर्व में व्रती महिलाएं कठिन तपस्या करती हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरूआत नहाय-खाय से होती है। जिसके बाद खरना, संध्या अर्घ्य, और उषा अर्घ्य के साथ पर्व संपन्न होता है। संध्या अर्घ्य के अवसर पर श्रद्धालु विशेष रूप से सजाए गए घाटों पर इकट्ठा होते हैं। चारों ओर 'सूर्य देव की जय' के जयकारों के बीच महिलाएं परिवार के सुख-शांति और स्वास्थ्य के लिए सूर्य को अर्घ्य देती हैं। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल भी तैनात रही।

कार्यक्रम में जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, फलाहारी बाबा, पूर्व सभासद बृजेश पाण्डेय, रामदवर प्रजापति, वीरेंद्र पाण्डेय, सुभाष पाण्डेय, अशोक यादव सुल्तानी, सनी गुप्ता, संदीप पाण्डेय अनूप गुप्ता समेत आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण मुरारी मौर्या ने किया। अंत में कार्यक्रम के संरक्षक मनीष कुमार गुप्ता ने आगन्तुको के प्रति आभार व्यक्त किया।

# यातायात पुलिस ने जौनपुर के प्रमुख चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान 1100 वाहनों का काटा चालान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर-2024 के दौरान शहर के के दौरान शहर के प्रमुख चौराहा तिराहाओं पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा

प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1100 वाहनों का चालान किया गया। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात/नगर देवेश सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व समस्त उप निरीक्षक यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर-2024 करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सीटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 1100 वाहनों का चालान किया गया।

यातायात माह में दिनांकः07.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाहीः-कुल चालान संख्याः-1100 बिना हेलमेट वाहन चलानाः--851 बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना- 35 तीन सवारी वाहन चलानाः- 65 यातायात नियमों का उल्लंघनः- 24 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः- 22 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-13 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः- 2 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः- 21 वामन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः-1 ओवर स्पीड वाहन चलाना- 1 नो पार्किंगः- 43 शेष अन्य धारा में 22 का चालान किया गया।

# नौकरी के नाम पर युवक से 90 हजार रुपये की ठगी, मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद के मोहद्दीपुर गांव निवासी एक युवक पर सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम पर 90 हजार रुपये ठगी करने का मुकदमा दर्ज हुआ। उसके ऊपर आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव निवासी कमलेश कुमार ने आरोप लगाया है। आरोपी की शिकायत पर एसपी डॉ अजय पाल शर्मा के आदेश पर पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज किया। ज्ञात हो उक्त गांव निवासी कमलेश कुमार पुत्र लक्षिराम राम ने स्थानीय मोहद्दीपुर गांव निवासी क्षेत्र के संतोष कुमार पुत्र लल्लन राम ने सऊदी अरब में नौकरी वीजा के नाम पर 90 हजार रुपये ले लिया। संतोष कुमार ने कमलेश कुमार को काम की बीजा की जगह टूरिस्ट वीजा पकड़ा दिया। कमलेश उसी बीजा से जब सऊदी अरब पहुंचा तो उसको इस बात का जानकारी हुई कि उसे टूरिस्ट बीजा देकर बेवकूफ बनाया गया है। कमलेश को जब अपने ठगे जाने की जानकारी हुई तो वह विदेशी अधिकारियों से वापस अपने देश जाने की गुहार लगाई। जहां पर उसके द्वारा वीडियो सबूत दिए जाने पर उसे वापस इंडिया भेज दिया गया। घर वापस आने के बाद कमलेश कुमार ने जौनपुर के एसपी डॉ अजय पाल शर्मा से प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाया। उसकी तहरीर के आधार पर एसपी ने थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव को मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। एसपी के आदेश पर आरोपी पर संतोष कुमार के ऊपर मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जा रही है।

# सरायख्वाजा पुलिस ने हत्या कर शव दफन करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

**रियाजुल हक**, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक युवक की निर्मम हत्या करने के बाद उसके शव को दफन करने करने के दो आरोपियों को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य हत्यारोपियों की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है। पुलिस ने घटना के पीछे के कारणों का रहस्य का खुलासा पुलिस नही किया है। बीते 30 अक्टूबर को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी गांव में मिट्टी से दबी हुई एक अज्ञात युवक का शव मिलने इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि उक्त युवक की हत्या करने के बाद लाश को जमीन में गाड़ दिया गया था। बदमाशों ने इतनी बेरहमी से हत्या किया था कि ग्रमीणों की छोड़िए उसका परिवार भी नही पहचान पाया। जिसके कारण चार दिन बाद पता चल पाया कि मृतक इसी गांव का सत्यम बिंद हैं। पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच पड़ताल किया तो हत्यारे लपरी गांव के ही निवासी चार लोग है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया था। सरायख्वाजा थाने की टीम ने दो हत्यारोपी नौशाद अहमद पुत्र अब्दूल मन्नान, अरसद पुत्र छोटक अली निवासीगण लपरी थाना सरायख्वाजा को मुखबिर की सूचना पर कोईरीडिहा से मल्हनी जाने वाली रोड के पास से गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।

# सर्राफ की पिटाई कर बदमाशों ने लूटे 3 लाख के आभूषण

**डॉ.एस.के.मिश्र**

वाराणसी(उत्तरशक्ति) वाराणसी। लोहता थाना क्षेत्र के सिरसा प्राइमरी स्कूल के पास बाइक सवार बदमाशों ने सराफ की पिटाई कर तीन लाख के आभूषण लूट लिए। भुक्तभोगी की सूचना के बाद पहुंची पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी रही। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर रही है। कोरौता बाजार निवासी दीपक सेठ ने बताया कि उसकी आभूषण की दुकान महेशपुर में ब्लाक रोड पर है। रात आठ बजे दुकान बंदकर दीपक घर जा रहे थे। सिरसा प्राइमरी स्कूल के पास बाइक सवार दो युवक कुछ दूर तक उन्हें फॉलो करते रहे। उसके बाद अचानक उनकी गाड़ी रुकवा दी। विरोध करने पर दोनों बाइक से उतर गए और सराफ की पिटाई कर दी। उसके बाद बैग छीनकर कोरौता बाजार की ओर भाग निकले। उन्होंने घटना की तुरंत सूचना कोटवा पुलिस चौकी को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस घटना की छानबीन में जुटी रही। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि आरोपित जल्द पकड़ लिए जाएंगे।

**अब सीसीटीवी के सहारे पुलिस**

# अंतर्जनपदीय कबड्डी कलस्टर प्रतियोगिता में जनपद जौनपुर की महिला टीम ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

## यूपी पुलिस जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्राप्त किया प्रथम स्थान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद आजमगढ में अंतर्जनपदीय कबड्डी कलस्टर प्रतियोगिता में जनपद जौनपुर की महिला टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है व पुरुष वर्ग में वाराणसी जोन की जिम्नास्टिक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुऐ आल यूपी पुलिस जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।तथा खो खो महिला वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया है टीम के सदस्यों को पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गयी।

# गौराबादशाहपुर पुलिस ने आर्म्स एक्ट में एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर पुलिस धारा 3,191(3), 131, 103(2), 61(2)(ए) बीएनएस व 7 सीएलए ऐक्ट व 4/25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 01 तलवार मय म्यान व एक रिवाल्वर प्रतिबन्धित बोर .38 बोर बरामद।

डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अरविन्द कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक के निर्देश के अनुपालन मे थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-250/2024 धारा-3,191(3), 131,103(2), 61(2)(ए) बीएनएस व 7 सीएलए ऐक्ट थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी व निरीक्षक अमित कुमार सिंह अपराध शाखा विवेचना सेल जौनपुर मय हमराह उ0नि0 रवि प्रकाश चौकी प्रभारी कस्बा गौरा, हे0का0 शिवबदन राम ,हे0का0 रामचन्दर यादव व का0 मधुवन वर्मा के मय सरकारी वाहन यू0पी0 62 एजी 0278 के चालक हे0का0 विक्रम रघुवंशी के थाना क्षेत्र मे रवाना होकर सुरागरसी पतारसी की जा रही थी कि मुखबीर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त लालमोहन यादव पुत्र स्व0 फेरु यादव निवासी ग्राम कबीरुद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को अमरा व असवारा जाने वाले मार्ग पर नहर की पटरी से दिनांक-06.11.2024 को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त लालमोहन उपरोक्त के बताये गये स्थान से घटना मे प्रयुक्त 01 तलवार मय म्यान व एक नाजायज रिवाल्वर प्रतिबन्धित बोर .38 बोर बरामद किया गया। अभियुक्त लालमोहन उपरोक्त व 01 तलवार मय म्यान व एक नाजायज रिवाल्वर प्रतिबन्धित बोर .38 बोर के थाना स्थानीय पर लाकर दाखिल किया गया।

# काशी की देव दीपावली को भव्यता का स्वरूप देनें में जुटी योगी सरकार

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। योगी सरकार सनातन धर्म की आभा को पूरे विश्व में प्रसारित रही है। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। योगी सरकार काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का 3डी प्रोजेक्शन के जरिए चित्रण करेगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा व मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो का आयोजन होगा । तीन बार होगा शो का प्रसारण योगी सरकार प्रांतीय मेले में शुमार करके देव दीपावली की भव्यता और बढ़ा दी है। प्राचीन संस्कृति की परंपरागत आयोजन और आधुनिकता के तालमेल ने देव दीपावली का आकर्षण पूरे विश्व में और बढ़ा दिया है। पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि चेत सिंह घाट पर 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेजर शो आयोजित होगा। ये शो माँ गंगा के अवतरण और भगवान शिव की महिमा पर आधारित होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत, आधे घंटे का शो होना निर्धारित है ।जो तीन बार प्रसारित होना प्रस्तावित है। 12 लाख दीप होंगे प्रज्वलित, ग्रीन क्रैकर्स की आतिशबाजी से रोशन होगा आसमान !काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली मनाई जाएगी। देव दीपावली की शाम उत्तरवाहिनी गंगा के तट के पक्के घाट से लेकर पूर्वी तट तक दीपों की रोशनी में सराबोर होंगे। इसके अलावा कुंडों, तालाबों और सरोवरों के किनारे भी दीपों की रोशनी से जगमग होंगे। काशी में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए करीब 12 लाख दिये जलाये जायेंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने उस पार रेत पर ग्रीन आतिशबाजी शो का भी आयोजन होगा जो कि ईको-फ्रेंडली होने के साथ ही काशी के आकाश रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर करने का माध्यम बनेगी।

# जफराबाद स्थित घाट का डीएम किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा छठ पूजा के अवसर पर नगर पंचायत जफराबाद स्थित घाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान घाट पर साफ-सफाई, लाईटिंग, बैरिकेडिंग, सी०सी०टी०वी०, चेजिंग रूम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम एवं गोताखोरो की समुचित व्यवस्था पायी गयी। मौके पर जिलाधिकारी द्वारा सायंकाल पूजन से पूर्व ही समस्त व्यवस्थाओं को पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये गये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं भी दी। निरीक्षण के दौरान जिला पूर्ति अधिकारी, अध्यक्ष, नगर पंचायत एवं स्थानीय सभासद सहित अन्य उपस्थित रहे।

# देखता रह गया वन विभाग और पेड़ काटकर उठा ले गये ठेकेदार

## क्या इसी को कहते हैं वन विभाग की मिलीभगत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज क्षेत्र के नरहरपुर ग्रामसभा में स्थित कुत्तुबपुर गांव में नहर के किनारे लगे प्रतिबंधित हरे-भरे पेड़ों को ठेकेदारों द्वारा बिना किसी डर भय के धड़ल्ले से काटा जा रहा है। इस घटना को जब वन विभाग इंस्पेक्टर सुजानगंज अरुण सिंह को बताया गया तो उन्होंने अपने किसी कर्मचारी को वहां देखने भेजे। अधिकारी के पहुंचने पर लकड़ी काटने वाले अपने वाहन पर लकड़ी के बड़े बड़े टुकड़ों को लादकर ले जाने लगे और वन विभाग खड़ा होकर तमाशा देखता रह गया और लकड़ी काटने वाले उन लड़कियों को उठा ले गये। अब यहां यह भी प्रश्न उठता है कि क्या वन विभाग इतना कमजोर हो गया है कि वह आरोपियों को भी काबू नहीं कर सकता ।या फिर कहीं ऐसा तो नहीं की वन विभाग इसमें सम्मिलित हो ।इस संदर्भ में जब वन विभाग इंस्पेक्टर सुजानगंज अरुण सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि हम उनकी लकड़ी काटने वाली मशीनों को जब्त कर लिये हैं। साथ ही जो लकड़ी ले गये हैं। उसको भी जब्त करके आरोपियों के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

# वाराणसी में निमार्णाधीन होटल के बेसमेंट की खुदाई के समय हुआ हादसा, एक की मौत

## मिट्टी गिरने से 11 मजदूर दबे

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में एक निमार्णाधीन होटल के बेसमेंट की खुदाई के समय बुधवार दोपहर हादसा हो गया। मिट्टी भरभराकर गिरने से 11 मजदूर दब गए। आनन-फानन सभी को निकाला और अस्पताल भेजा गया। यहां एक मजदूर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 10 मजदूर घायल हैं। इनमें मुन्नी लाल (45) और प्रकाश (25) की हालत गंभीर है। मृतक की पहचान बबलू के रूप में हुई है, जो कौआसाथ थाना अदलहाट, जिला मिजार्पुर का रहने वाला है। घायल मजदूर भी मिजार्पुर के ही हैं। घटना के दो घंटे बाद भी न तो वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिकारी और न ही पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से मजदूर खुद अपने साथी को लेकर अस्पताल गए।ठेकेदार को ढूंढ रही पुलिस

बबलू की 2 साल पहले शादी हुई थी। पत्नी गर्भवती हैं। घायलों में जीयुत, मनोज, विनोद, टिंकू, सूबेदार, राजकुमार, राजू, मनोज कुमार हैं। जिनमें मुन्ना का हाथ टूटा है। घायल विनोद ने बताया- नीचे बेसमेंट की खुदाई कर रहे थे। ऊपर ईंटें रखी थीं। तभी मिट्टी खिसक गई और उसी के नीचे हम लोग दब गए। उधर, पुलिस ठेकेदार को ढूंढ रही है।

## नालासोपारा में महाकुंभ को लेकर मंथन

**नालासोपारा(उत्तरशक्ति)।** नालासोपारा पश्चिम में तपस्या बिल्डिंग के सभा हाल में विराट सेवा संस्था के पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। इस दौरान महाकुंभ की तैयारी के विषय में गहन विचार-विमर्श किया गया। विराट सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक पाण्डेय, मार्गदर्शक रामजस मिश्रा, महाकुंभ शिविर के प्रभारी शिवाकांत तिवारी, कथा व्यास पंडित राम शिरोमणि महाराज, अमित चौबे, हौसिला प्रसाद मिश्रा एवं मोतीलाल यादव आदि पदाधिकारियों की मौजूदगी मे बैठक में महाकुंभ के बारे में व्यापक रूप रेखा तैयार की गई।

## प्रापर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

**देवरिया (उत्तरशक्ति)।** देवरिया में दिनदहाड़े एक प्रापर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार तीन अज्ञात हमलावरों ने निहाल सिंह(26) को बृहस्पतिवार की सुबह गोली मार दी। बताया जाता है कि निहाल अपने घर जा रहा था कि इसी बीच जद्दू परिसिया इलाके के पास हमलावरों ने गोली मार दी। निहाल पुत्र राजू सिंह देवरिया के ग्राम समोगर का रहने वाला था। गांव की जगह देवरिया वन विभाग के पास रहता था। गोली चलने की सूचना पर स्थानीय लोगों ने नेहाल सिंह को एंबुलेंस बुलवाकर देवरिया मेडिकल कॉलेज़ लेकर पहुंचे, जहां निहाल की मौत हो गई। घटनास्थल और मेडिकल कॉलेज में पुलिस की टीम मुस्तैद है।

## उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड की पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट, ग्रीन बैंकिंग के प्रति प्रतिबद्धता पर डाला प्रकाश

**पटना।** उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, जो पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों को अपने मुख्य परिचालन में एकीकृत करने की दिशा में बैंक की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। "यू-सस्टेन" शीर्षक वाली यह व्यापक रिपोर्ट, सतत विकास और जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देने में बैंक की रणनीतिक पहलों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है।

ईएसजी रणनीतिः बैंक की ईएसजी नीति, जलवायु जोखिम प्रबंधन और संधारणीय संसाधन उपभोग के बारे में विस्तृत जानकारी। पर्यावरण पहलः ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने में उपलब्धियां। उसामाजिक प्रभावः वित्तीय समावेशन, सामुदायिक जुड़ाव और कर्मचारी विविधता और विकास में प्रयास। शासनः पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने वाला मजबूत शासन ढांचा। सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री गोविंद सिंह ने कहा, हमें अपनी पहली सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट पेश करते हुए खुशी हो रही है, जो ईएसजी सिद्धांतों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड में, हम मानते हैं कि संधारणीय बैंकिंग केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हमारे हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने का एक मार्ग है। यह रिपोर्ट हमारे समय की दबावपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हुए एक लचीले और समावेशी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। संपूर्ण संधारणीयता रिपोर्ट अब बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। हितधारकों और आम जनता को www.utkarsh.bank पर जाकर विस्तृत रिपोर्ट देखने और बैंक की ESG पहलों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

## अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, घाटों पर दिखा आस्था का 'ज्वार'

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** लोक आस्था के महापर्व छठ का गुरुवार को तीसरा दिन है. घाट पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर जन सैलाब उमड़ा। बच्चे, महिलाएं, वृद्ध से लेकर सभी आयु वर्ग के लोग घाटों पर जमे रहे। उत्सवी माहौल में लोगों ने छठ पूजा की और गोधूली बेला में जल में दूध डालकर सूर्य की अंतिम किरण को अर्घ्य दिया. सूर्य को अर्घ्य देते ही पूरे घाट हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठे। शुक्रवार को उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन होगा। लोग दीप जलाने के साथ ही सूर्य के अस्त होने का इंतजार करते दिखे।

डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए शहर से लेकर देहात तक में व्रती अपने घरों से निकल घाटों पर पहुंचने लगे थे। व्रतियों के साथ उनके परिजन सिर में दौरी, पूजन सामग्री व प्रसाद से भरा सूप आदि लेकर छठ मइया के गीत गाते हुए उत्साह एवं श्रद्धा के साथ छठ घाट पर पहुंच रहे थे। कई व्रती दंड प्रणाम करते घाट पहुंच रहे थें। सायंकाल चार बजे तक मां गंगा व नदी के घाटों, तालाबों, कुंडो सहित नमो घाट, राजघाट, प्रह्लाद घाट, गाय घाट, ब्रह्मा घाट, पंचगंगा घाट समेत आस पास के घाटों पर घुटने भर पानी में खड़े होकर व्रति महिलाओं ने अर्घ्य दिया। उनके साथ घाट तक गीत गाते व सिर पर दौरा और सूप लेकर आए पुरुषों ने भी अर्घ्य दिया और अपने परिवार के लिए मंगलकामनाएं मांगी। घाट पर शाम 5:30 बजे तक आस्थावानों की भीड़ लगी हुई थी। देखते ही देखते शाम ढलते-ढलते लाखों संख्या में आस्थावानों की भीड़ जमा हो गयी। सभी छठ घाट व्रतियों से पट गये। अर्घ्य देने के लिए छठ घाटों पर भीड़ देखते ही बन रही थी। पूरा छठ घाट श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भरा था।

## अमरजीत सिंह के लिए दो केंद्रीय मंत्री और कृपाशंकर ने जनता से मांगे वोट

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। इसी कड़ी में कालीना विधानसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह के चुनाव प्रचार में केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के नेता एकजुट होकर अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए जनता से समर्थन मांग रहे हैं। कालीना विधानसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह लगातार पैदल यात्रा कर अपने लिए जनसमर्थन जुटा रहे हैं। बुधवार को वकोला के विश्वकर्मा हॉल, कदमवाडी में महायुति के सहयोगी दल आरपीआई की तरफ से जनसभा का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री

रामदास आठवले और राज्य के पूर्व गृह राज्यमंत्री और भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह ने एक सुर में जनता से महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह को जिताने की अपील की। केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने अमरजीत सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि बिना पद पर रहते हुए सिंह परिवार ने गोरखपुर में एक रुपए में डायलिसिस सेवा शुरू की है। आप इन्हें विजयी बनाईये, क्षेत्र में समस्याओं का नामोनिशान नहीं रहेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि ये सीट हमें मिली थी। अमरजीत सिंह महायुति के उम्मीदवार हैं,आप सभी इन्हें जिताने के अभियान में जुट जाएं। इस मौके पर कृपाशंकर सिंह ने कहा कि कालीना विधानसभा सीट आरपीआई के कोटे में गई थी, लेकिन रामदास आठवले ने बड़ा दिल दिखाते हुए अमरजीत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के कारण उत्तर प्रदेश से महाराष्ट्र आकर हम विधायक और मंत्री बने है। उन्होंने आगे कहा कि कालीना विधानसभा क्षेत्र की जनता ने मुझे तीन बार विधायक बनाकर विधानसभा भेजा। आज हम यहां महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह को विधायक बनाकर विधानसभा भेजने के लिए इकट्ठा हुए है। कृपाशंकर सिंह ने महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह को जिताने का आह्वान किया। सभा को संबोधित करते हुए कालीना से महायुति उम्मीवार अमरजीत सिंह ने 10 साल से मौजूदा विधायक की निष्क्रियता का हवाला देते हुए कहा कि मुझे सेवा का मौका दें, मैं क्षेत्र की दूषित पानी की समस्या, एसआरए की समस्या सहित सभी समस्याओं का समाधान करूंगा। इस अवसर पर महायुति से जुड़ी सभी पार्टियों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## श्री रामलीला उत्सव समिति को किया गया पुरस्कृत

मुंबई। रामलीला प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह बुधवार को नवभारत टाइम्स के कार्यालय में आयोजित किया गया। समारोह में उत्कृष्ट रामलीला मंचन हेतु 58वें वर्ष श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साईट विक्रोली के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, एसईओ एवं जनसंपर्क मंत्री आदेश मिश्र को नवभारत टाइम्स के संपादक सुंदर चंद ठाकुर के द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए और इसी कड़ी मे अन्य रामलीला समितियों को भी पुरस्कार प्रदान किया गया. इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार नवीन पांडेय तथा रामलीला आयोजन की समितियो की ओर से पुरस्कार ग्रहण करने के लिए प्रभाकर सी शुक्ल, अशोक रमापति दुबे, देवकीनंदन जिंदल, विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र, संजय गणेश सिंह, अनुज जिंदल, निर्मल गुप्ता, सुशील गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, कानबिहारी अग्रवाल, वीरेद्र मिश्र, संतोष शर्मा, सत्यप्रकाश सिंह, शरद यादव, मंगलेश शर्मा, बच्चूलाल जायसवाल, के.के. पांडेय,शैलेश खावनेकर सहित कई अन्य गण मान्य लोग उपस्थित थे।

## नृत्याँगना स्व.सितारा देवी को "नमन" कार्यक्रम

**मुंबई।** सुप्रसिद्ध नृत्याँगना स्व.सितारा देवी को नृत्य संगीत मय नमन कार्यक्रम का आयोजन स्व सितारा देवी गुरुकुल, शन्मुखानंद फाइन आर्ट्स एवम संगीत सभा के संयुक्त तत्वाधान में 8 नवंबर 2024 को शाम 7 बजे शनमूखानंद हॉल सायन मुंबई पर किया गया है कलाकृति केंद्र द्वारा विगत 30वर्षों से सितारा देवी के सम्मान में कत्थक नृत्य का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर सितारा देवी गुरुकुल की जयंती माला मिश्रा, फजल कुरैशी, ऋषिका मिश्रा, सौरभ मिश्रा, गौरव मिश्रा, वैभव मांकड़, अलका गुजर अपनी प्रतिभाओ का प्रदर्शन करेंगे। आयोजको ने सभी कथक प्रेमीयों एवम स्व.सितारा देवी के चाहने वालों से इस अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

## राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर सुलभ कैंसर देखभाल में एनजीओ की भूमिका पर प्रकाश डाला

कोलकाता। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में, कोलकाता में एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल ने एक दिलचस्प पैनल चर्चा आयोजित की - 'निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में आर्थिक रूप से वंचित रोगियों के लिए आधुनिक कैंसर उपचार को अधिक सुलभ बनाने में गैर सरकारी संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना'। रोटरी, फाइट कैंसर, कैंसर फाइट फाउंडेशन, जादवपुर पेंशन एसोसिएशन, गौरी बारी वेलफेयर, कैनकिड्स और दिनांटे जैसे प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि पैनलिस्ट के रूप में चर्चा में शामिल हुए, जिसका संचालन रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में वरिष्ठ सलाहकार और सलाहकार प्रो. (डॉ.) सुबीर गांगुली ने किया। साथ-साथ कैंसर से बचे लोग भी चर्चा के दौरान मौजूद थे।

इस वर्ष के राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस की थीम, ₹रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार₹, प्रारंभिक लक्षणों को पहचानने और सुलभ देखभाल के लिए सतर्कता की आवश्यकता पर जोर देती है। वित्तीय बाधाएं अक्सर कई लोगों को कैंसर का इलाज करवाने से रोकती हैं। और गैर सरकारी संगठन इस अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निजी अस्पतालों के साथ सहयोग करके। ये संगठन रोगियों को उनकी जरूरत के अनुसार उपचार दिलाने में मदद करते हैं। वे आमतौर पर चिकित्सा व्यय का समर्थन या सब्सिडी देते हैं। चर्चा के दौरान, प्रो. (डॉ.) सुबीर गांगुली ने कहा, कैंसर के कारण कई लोगों की जान चली जाती है, और दुख की बात है कि इनमें से कुछ मौतें सीमित उपचार के कारण होती हैं। कई लोगों के लिए, कैंसर की देखभाल की उच्च लागत इसे वहनीय नहीं बनाती है, जिससे महत्वपूर्ण उपचार उनकी पहुँच से बाहर हो जाते हैं। यहाँ, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की कैंसर के उपचार को कम आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के लिए अधिक सुलभ और किफायती बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। ये संगठन वित्तीय सहायता जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा की कमी को पूरा करते हैं।

## बेकाबू बस ने 2 लोगों को रौंदा

**सोनभद्र।** वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर चोपन बैरियर के पास गुरुवार को बेकाबू बस ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हुआ है। उसे चोपन सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। घटना छठ घाट के ही पास हुआ है। कुरहुल गांव निवासी हरेंद्र तिवारी (45) गांव के ही अनिल पांडेय (35) के साथ चोपन आए थे। दोपहर बाद दोनों घर लौट रहे थे। बाइक हरेंद्र तिवारी चला रहे थे। चोपन बैरियर के पास पीछे से आ रही निजी बस ने टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे हरेंद्र का सिर बस के पहिए के नीचे आ गया। सिर पर हेलमेट होने के बाद भी उन्हें गंभीर चोट आई। मौके पर ही हरेंद्र की मौत हो गई। बाइक सवार अनिल भी गंभीर रुप से घायल हुआ। आसपास के लोगों ने घायल को तत्काल चोपन सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

## विरार में शिवसेना के पदाधिकारी भाजपा में शामिल

विरार(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी मनवेल पाड़ा विरार मेशिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के कई पदाधिकारीशाम को भाजपा नेता और संरक्षक मंत्री रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इन सभी का पालक मंत्री ने फूलों का गुलदस्ता देकर पार्टी में स्वागत किया। पार्टी में शामिल होने से विरार इलाके में बीजेपी की ताकत बढ़ गई है। नालासोपारा विधानसभा 132 के उम्मीदवार राजन नाइक का अभियान कल विरार में भाजपा नेता और पालघर जिले के संरक्षक मंत्री रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में शुरू किया गया। इस उद्घाटन के बाद पालकमंत्री ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। इस नियोजित कार्यक्रम में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) विरार शहर प्रमुख गणेश भायडे के नेतृत्व में कई पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। मुख्य रूप से शिव सेना उपनगर प्रमुख कैलास पाटिल, विभाग प्रमुख आनंद जाधव, उपविभाग प्रमुख हेमंत मिराशी, रमेश प्रजापति, शाखा प्रमुख गणेश जाधव, उपशाखा प्रमुख नवनाथ जाधव, कैलास सावरतकर, संदीप शेमनकर, कमलाकर नाइक, प्रकाश धाडवे, रोहित गंगावणे, हरेश पाडिया, गणेश कदम, महिला अघाड़ी उपनगर संगठक कल्पना होदकर, शाखा संगठक मोनाली साइगांवकर, उपशाखा संगठक सुषमा तायडे, जानकी पलासमकर, प्रिया शिम्पी, प्रत्यक्षा सावंत, स्नेहल राउल, पूजा गरुड़ और युवा सेना उपसभापति राम नैती, वामन केलकर, अक्षय कल्लेपवार आदि। विधानसभा संयोजक मनोज बारोट ने कहा, इसके अलावा जनता दल (से) पार्टी के प्रसाद धोंड भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस कार्यक्रम दौरान भारतीय जनता पार्टी जिल्हाप्रमुख महेंद्र पाटील और पालघर जिल्हा खासदार डॉक्टर हेमंत साहेब कीविशेष उपस्थिती थी।

## पति से तंग महिला ने फंदा लगाकर दी जान

**इटावा (उत्तरशक्ति)।** वैदपुरा थाना क्षेत्र के गांव पाताझारी में एक महिला ने अपने शराबी पति से तंग आकर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पाताझारी गांव निवासी रमेश सिंह की पत्नी शर्मिला देवी (28) ने गुरुवार की सुबह लगभग सात बजे घर के अंदर छत पर लगे पंखा के कुंडा में दुपट्टा का फंदा बनाकर लटक गई। इससे पहले उसने अपनी बड़ी बेटी सुरवी को पशुओं को चारा डालने के लिए भेज दिया था। जब वह वापस आई तो मां को फंदे पर लटका देख शोर मचाने लगी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने

शव को फंदे से नीचे उतार लिया। लेकिन जबतक महिला की मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंचे इकदिल थाना क्षेत्र के गांव ईश्वरीपुरा निवासी नंदकिशोर ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने बताया कि पुत्री की शादी 14 साल पहले रमेश सिंह राजपूत के साथ की थी। तभी से वह उसकी पुत्री के साथ शराब पीकर के आए दिन मारपीट किया करता था। मंगलवार शाम भी उसने मारपीट की थी। बेटी ने मायके फोन करके जानकारी दी थी। इसके अलावा बेटी ने डायल 112 पुलिस को फोन भी किया था। तब आरोपी पति वहां से भाग गया था। उसकी बेटी के पांच बच्चे हैं। आए दिन शराब के नशे में मारपीट करता था। मृतका के पांच बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी विपिन मलिक ने बताया कि महिला के पिता की शिकायत पर उसके पति रमेश सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## शिक्षाविद् संध्या पांडेय की स्मृति में वाग्धारा नारी शक्ति सम्मान

मुंबई। विख्यात शिक्षाविद् संध्या पांडेय की स्मृति में वाग्धारा नारी शक्ति सम्मान देने की घोषणा की गई है। वाग्धारा के अध्यक्ष डॉ वागीश सारस्वत ने कहा है कि आगामी 14 दिसंबर को मुंबई में आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन यह नारी शक्ति सम्मान प्रदान करेंगे।अंधेरी पश्चिम में आयोजित श्रधांजलि सभा में मुंबई महानगर के अनेक पत्रकार, साहित्यकार, शिक्षाविद्, थियेटर और संगीतकार गायक शामिल हुए। गायक सुधाकर स्नेह ,सरोज सुमन और विनोद दुबे ने संध्या पांडेय को संगीतमय श्रद्धांजलि दी। जबकि अरविंद राही, अभिलाष अवस्थी,गुलशन मदान, सुरेश तिवारी यश, राजेश त्रिपाठी,

शिवकुमार तिवारी, अनुज वर्मा, निहारिका पांडेय,रवि यादव आदि ने उनसे जुड़े संस्मरण सुनाकर उन्हें याद किया। इसी सभा में संध्या पांडेय की स्मृति में सम्मान प्रारम्भ करने का प्रस्ताव दिया गया जिसे वाग्धारा के उपस्थित पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकृत कर लिया। इस अवसर पर संध्या पांडे के पति अवधेश पांडेय, पुत्री निहारिका, दामाद संदीप, भतीजे प्रोफेसर सिद्धार्थ पांडे,जेथ प्रोफेसर उमेश चंद्र पांडे ,देवर अनिल, बृकेश,भाई अरुण तिवारी आदि सपरिवार उपस्थित थे।

## जौनपुर को धर्म नगरी बनाने वाले ज्ञान प्रकाश सिंह का सम्मान

**जौनपुर।** विविध धार्मिक कार्यक्रमों तथा धार्मिक स्थानों के जीर्णोद्धार की दिशा में लगातार समर्पित भावना के साथ अभूतपूर्व काम कर रहे जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी तथा भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का आज मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन तथा देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन की तरफ से सम्मानित किया गया। मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार तथा समरस फाउंडेशन के महासचिव शिवपूजन पांडे ने शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए शिवपूजन पांडे ने कहा कि ज्ञान प्रकाश सिंह जिस तरह से जौनपुर को धर्म नगरी बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, उसे देखते हुए इन्हें पंडित ज्ञान प्रकाश सिंह कहा जाना चाहिए। इस अवसर पर दैनिक जागरण के पत्रकार प्रमोद पांडे उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष आचार्य शांतनु महाराज की भव्य राम कथा आयोजित करने के बाद इस वर्ष भी उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण महाराज की भव्य कथा का आयोजन किया है। बीआरपी कॉलेज मैदान में 9 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ श्री राम कथा 10 नवंबर से 16 नवंबर तक प्रतिदिन शाम 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की गई है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री राम कथा के लिए विशाल पंडाल बनाया गया है। इस बारे में पूछे जाने पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि जन्मभूमि पर भगवान राम की कथा का आयोजन मेरे साथ समस्त जनपद वासियों का गौरव है। कथा का उद्देश्य मानव कल्याण के साथ समस्त जनपद वासियों के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना है। उन्होंने समस्त जनपद वासियों से श्री राम कथा में शामिल होने की अपील की।